हिन्दुस्तान
तरक्की को चाहिए नया नजरिया
मंगलवार, 15 नवंबर 2016, नगर/फरीदाबाद, पांच प्रदेश, 20 संस्करण
www.livehindustan.com

Dated: 15th Nov., 2016 (page -17)

विश्व मधुमेह दिवस पर जागरूक किया

पलवल | हमारे संवाददाता

एमवीएन विश्वविद्यालय के फार्मेसी विभाग के तत्वावधान में विश्व मधुमेह दिवस पर स्वास्थ्य जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम में बहुराष्ट्रीय कंपनियों के प्रतिनिधियों, छात्रों व विषय विशेषज्ञों ने मधुमेह रोग के बारे में विस्तृत जानकारी दी।

उन्होंने कहा कि यह आधुनिक जीवनशैली, खानपान में अनियमितता बरतने तथा अनुवांशिक कारणों से भी हो सकती है। इस अवसर पर छात्रों ने जागरूकता रैली का आयोजन किया, जिसमें पोस्टर, नारों आदि के माध्यम से मधुमेह रोग के कारणों तथा निदान पाने के विभिन्न तरीकों पर प्रकाश डाला गया। वहीं आधुनिक चिकित्सीय निदानों के बारे में भी बताया गया जोकि इस रोग से लड़ने के लिए विश्व स्तर पर अनुसंधान करके प्रयोग में लाए जा रहे हैं। विश्वविद्यालय के कुलपति डॉ. जेवी देसाई, कुलसचिव डॉ. राहुल शर्मा, उप अधिष्ठाता (शैक्षणिक) डॉ. वरूण मोंगा ने छात्रों की स्वास्थ्य जागरूकता पहल की प्रशंसा की।

बीके में मधुमेह जांच शिविर

फरीदाबाद। बादशाह खान अस्पताल में मधुमेह दिवस पर मुफ्त जांच शिविर का आयोजन किया गया। इस दौरान 104 लोगों के खून के नमूने लेकर मधुमेह जांच की गई। यह जानकारी अस्पताल के आपातकाल इंचार्ज डॉ. नवीन गर्ग ने दी।

वहीं एशियन अस्पताल के वरिष्ठ डॉ. संदीप खरब का कहना है कि जीवन शैली में बदलाव कर इस पर अंकुश लगाया जा सकता है।

इंडिया केसरी

सच लिखते हैं हम.....

वर्ष 22 अंक 240 | 15 नवम्बर, 2016, मंगलवार | पृष्ठ 8 | मूल्य 2 रुपए | राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक, नई दिल्ली

स्वास्थ्य जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन

इंडिया केसरी/अजय शर्मा

पलवल। एमवीएन विश्वविद्यालय के फार्मेसी विभाग के तत्वावधान में विश्व मधुमेह दिवस पर स्वास्थ्य जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम में बहुराष्ट्रीय कंपनियों के प्रतिनिधियों, छात्रों व विषय विशेषज्ञों ने मधुमेह रोग के बारे में विस्तृत जानकारी दी।

उन्होंने कहा कि यह आधुनिक जीवनशैली, खानपान में अनियमितता बरतने तथा अनुवंशिक कारणों से भी हो सकती है। इस अवसर पर छात्रों ने जागरूकता रैली का आयोजन किया, जिसमें पोस्टर, नारों आदि के माध्यम से मधुमेह रोग के कारणों तथा निदान पाने के विभिन्न तरीकों पर प्रकाश डाला गया। वहीं आधुनिक चिकित्सीय निदानों के बारे में भी बताया गया जोकि इस रोग से लड़ने के लिए विश्व स्तर पर अनुसंधान करके प्रयोग में लाए जा रहे हैं। विश्वविद्यालय के कुलपति डॉ. जेवी देसाई, कुलसचिव डॉ. राहुल शर्मा, उप अधिष्ठाता (शैक्षणिक) डॉ. वरूण मोंगा ने छात्रों की स्वास्थ्य जागरूकता पहल की प्रशंसा की। उन्होंने कहा कि इससे जनसामान्य को इस रोग के कारणों व इससे बचाव के बारे में जानकारी मिलेगी, जोकि स्वास्थ्य हित में बेहद लाभदायक सिद्ध होगी।